आज का पुरुषार्थ 9 May 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"हममें वह शक्ति है जो निगेटिव को पाजिटिव कर सकते है .. हम ही है जो असम्भव को भी सम्भव कर दिखाते है ... हम ऐसे बोल बोले... जिससे दूसरों को नया जीयदान मिल जाये .. हारे हुए को खड़े होने की हिम्मत मिल जाये "*

संस्कार मनुष्य को सुख भी देते है, संस्कार मनुष्य के लिए स्वयं में ही परेशानियाँ भी पैदा कर देते है।

आज हम एक संस्कार ले रहे है .. **बूरा बोलने की आदत।**

कई लोगों के बोल **अहंकार** से प्रेरित होते है। कईयों के **क्रोध** से। और बहुतों के बोल के पीछे प्रेरणायें होती है उनकी **भावनाओं** की।

हमें अपने बोल को **दैवी बोलों** में बदलना है। दैवी बोल, जैसे देवता बोलते है। जैसे पवित्र आत्मायें बोलती है, जैसे महान योगी बोलते है।

सुखदाई बोल, दूसरों को आगे बढ़ाने वाले बोल, प्रोत्साहन देने वाले बोल, दूसरों की योग्यताओं को बढ़ाने वाले बोल। ऐसे बोल बोलने है।

.. तो हम सभी के प्रिय बन जायेंगे। सभी हमारे बोल सुनने चाहेंगे।

लेकिन किसी के अंदर यदि बूरा बोलने का संस्कार है तो उस व्यक्ति को संसार में कोई पसंद नहीं करता। उसको अपने टीम में भी नहीं रखेगा। उनके समीप भी कोई नहीं जायेगा।

क्योंकि वो दूसरे को सदा ही हार्ट करेगा।

तो हम कैसे बोल बोले? **सुखदाई** बोल, प्रेरणादायक बोल।

कैसे बोल न बोले इसपर विशेष चर्चा की आवश्यकता है। किसी ने बहुत अच्छा काम किया। बोलने वाले, जो खराब बोलते है वो बोलेंगे ...

" अरे, यह कोई काम है? यह तो मैं भी कर सकता हूँ। ऐसे तो कई लोगों ने किया है। इसमें इनकी क्या महिमा? यह तो ऐसे ही आप बढ़ा चढ़ा के बोल रहे हो ... "

किसी ने कोई ग़लती कर दी, डांट डपट कर बोल →

" यह ऐसा ही करता है! तुम ऐसे ही करते हो! तुम कभी शुधरोगे नहीं! "

ऐसा बोल वातावरण को कितना भारी कर देता है! आपसी सम्बन्धों में जहर घोल देता है।

.. बोल ही तो है जिससे हम कम्युनिकेट (communicate) कर सकते है!

संकल्पों की बात तो **सूक्ष्म** है! बोल का प्रभाव तो सदा ही दूसरों पर पड़ता है। तो हम ग़लत बोल न बोले।

कई लोगों के मुख से तो सदा ही धुआं निकलता रहता है। यानी खराब शब्द बोलते रहते है। अपनी बढ़ाई ज्यादा करते है।

यह भी बहुत बड़ी कमजोरी होती है। कई लोग तो दूसरों की सुनते ही नहीं, केवल अपनी अपनी सुनाते है। इससे भी हमें बचना है।

तो बोल का बड़ा महत्व है। हमारे बोल **वरदानी बोल** बन जाये। बूरे वचन कोई भी बोलने लग पड़ते है। जो कि हमें बोलने ही नहीं है।

तो एक दूसरे के प्रति अच्छे बोल निकाले। क्योंकि बोल प्यार बढ़ाता है। इसलिए सभी सम्बन्धों में हमें बोल बहुत अच्छे बोलने है।

एक परिस्थिति बहुत परिवारों में उभरती है। जब कोई व्यक्ति की उम्र बढ़ जाते है, तो उनके बच्चे, उनके पोत्रे उनसे दुर्व्यवहार करने लगते है।

जिसने निरंतर पालना की उनके प्रति अपशब्द बोलने से पहले याद रखना चाहिए →

कोई भी कर्म का परिणाम लौटकर जरूर आता है। (Law of Karma)

इसलिए समझदार बने। बहुत प्रैक्टिकल हो जाये। और बुजुर्ग व्यक्ति से अच्छे व्यवहार करे, सुखदाई बोल बोले।

बहुत परिवार है, जो सेवा करते है बुजुर्गों की। प्यार देता है उन्हें। क्योंकि प्यार देकर ही तो उन्होंने सबको बड़ा किया है।

अब उनको प्यार और सम्मान की जरूरत है। हम वैसा ही व्यवहार उनसे करे।

।। ओम शान्ति ।।

Source: Purusharth Blog

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org